

GANGA INSTITUTE OF TECHNOLOGY AND MANAGEMENT

AN AUTONOMOUS INSTITUTE

GRADED 'A' BY NAAC | NBA ACCREDITED PROGRAMS

Approved by AICTE | Affiliated to MDU, Rohtak | Recognized u/s 2(f) of UGC Act, 1956

JHAJJAR (DELHI-NCR)

**NAAC
A
GRADE**

NBA
ACCREDITED
B.TECH ME,
ECE and MBA

**RANKED
16**

In North India

**RANKED
38**

Pvt. Institutes in India

**RANKED
39**

Across India

**RANKED
46**

Placement Across India

Degree Conferred by MDU, Rohtak

Times Engineering Institute Ranking Survey-2026

== ADMISSIONS OPEN 2026-27 ==

B.TECH B.TECH (LEET)

Fire Technology and Safety
CSE, CSE (AI & ML), CSE (DS)
ECE, Electrical
Civil, Mechanical

OTHER UG & PG COURSES

M.TECH | MBA | BBA | MCA
BBA | M.ARCH | B.ARCH
M.PLAN | M.ED | B.ED

COURSES FOR WORKING PROFESSIONALS (In Flexible Timings)

B.TECH
Fire Tech. & Safety / CSE/ Electrical/ Civil
M.TECH
CSE / Structural Design
MBA | Design

Ganga Centre for Skill and Entrepreneurship Development

(An Industry inside the Institute)

Technology Providers

Rs. 40 Crores

3-D Printer

CNC Machines

Pneumatic Trainer

Robotic Arm

AR/VR Lab

IIOT Lab

GANGA GROUP OF INSTITUTIONS

Approved by AICTE/UGC/NCTE/COA/MDU

- ◆ GANGA INSTITUTE OF ARCHITECTURE & TOWN PLANNING (GIATP)
9654292905 / 9015115120 | www.architectureganga.com
- ◆ GANGA INSTITUTE OF EDUCATION (GIE)
8684000916 | www.gangainstituteofeducation.com

For Admission Enquiry: 8684000891 / 892 / 893 / 9654292946 | www.gangainstitute.com

Head Office: 4/12, East Punjabi Bagh, New Delhi | +91-9654292902, 03, 04

बदल रही सोने-चांदी की चाल, क्या करें निवेशक

घबराएं नहीं, समझदारी से लें निवेश का फैसला ►► अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले से पहले बढ़ी सतर्कता ►► मजबूत डॉलर और वैश्विक दबाव से बुलियन बाजार में गिरावट

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर तेज उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। मल्टी क्रमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना करीब 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 2.24 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक फिसल गई। इस गिरावट की प्रमुख वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक से पहले बाजार में बढ़ी सतर्कता, डॉलर की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बुलियन बाजार में आई कमजोरी मानी जा रही है। हालांकि विशेषज्ञ इसे लंबी अवधि के नजरिए से बढ़ी चिंता का विषय नहीं मान रहे हैं। उनका कहना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीद, गोल्ड ईटीएफ में बढ़ते निवेश और एशियाई देशों से मजबूत मांग जैसे कारक अब भी सोने को सहारा दे रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह गिरावट निवेशकों के लिए खतरों की घंटी है या फिर लंबे समय के निवेशकों के लिए बेहतर खरीदारी का अवसर। आने वाले दिनों में फेड के फैसले पर बाजार की अगली दिशा काफी हद तक निर्भर करेगी। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह गिरावट निवेशकों के लिए चिंता का विषय है या फिर खरीदारी का अवसर?

गिरावट की सबसे बड़ी वजह

इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक से पहले बाजार में बढ़ी सतर्कता है। निवेशकों को उम्मीद है कि फेड के ब्याज दरों पर आने वाले फैसले से आने वाले महीनों में सोने और चांदी की दिशा तय होगी। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर में मजबूती भी बुलियन बाजार पर दबाव बना रही है। डॉलर इंडेक्स एक महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। चूंकि वैश्विक स्तर पर सोने और चांदी का कारोबार डॉलर में होता है, इसलिए डॉलर मजबूत होने पर अन्य देशों के खरीदारों के लिए ये धातुएं महंगी हो जाती हैं।

फेड का फैसला क्यों होता है इतना अहम?

सोना और चांदी ब्याज नहीं देते। इसलिए जब केंद्रीय बैंक ब्याज दरें ऊंची रखते हैं तो निवेशक अधिक रिटर्न देने वाले विकल्पों की ओर आकर्षित होते हैं। इससे बुलियन की मांग घटती है। इसके विपरीत यदि ब्याज दरों में कटौती की संभावना बनती है या फेड नरम रुख अपनाता है, तो सोना निवेशकों के लिए फिर आकर्षक बन जाता है। यही वजह है कि पूरी दुनिया के निवेशकों की नजर फेडरल रिजर्व की हर बैठक पर रहती है। बाजार विशेषज्ञों का मानना ​​है कि यदि फेड मविध्य में दरों में कटौती के संकेत देता है तो सोने और चांदी में फिर से तेजी लौट सकती है। वहीं अपेक्षा से अधिक सख्त रुख अपनाने पर कीमतों में कुछ और दबाव देखने को मिल सकता है।



विशेषज्ञ क्या कह रहे

एलकेपी सिक्वोरिटीज के क्रमोडिटी एवं करेंसी रिसर्च विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक बुलियन बाजार में कमजोरी और भारतीय रुपये की मजबूती ने एमसीएक्स पर सोने की कीमतों को प्रभावित किया है। उनका मानना ​​है कि फिलहाल निवेशक फेड के फैसले का इंतजार कर रहे हैं और उसी के आधार पर बाजार अगली दिशा तय करेगा। कोटक सिक्वोरिटीज के अनुसार डॉलर इंडेक्स में मजबूती के कारण सोने और चांदी दोनों पर दबाव बना हुआ है। हालांकि उनका कहना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव फिलहाल वैश्विक घटनाक्रमों पर निर्भर रहेगा।

क्या सोने की तेजी खत्म हुई

विश्लेषकों की राय इससे अलग है। उनका मानना ​​है कि अल्पकालिक गिरावट के बावजूद सोने की लंबी अवधि की तस्वीर अभी भी सकारात्मक बनी हुई है। इसके पीछे कई मजबूत कारण हैं।
■ वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता।
■ केंद्रीय बैंकों द्वारा लगातार सोने की खरीद।
■ गोल्ड ईटीएफ में निवेश का बढ़ना।
■ चीन और अन्य एशियाई देशों में मजबूत भीतिक मांग।
■ भू-राजनीतिक तनाव की संभावना।
■ इन सभी कारणों से सोने को लंबे समय में समर्थन मिलता रह सकता है।

चांदी में उतार-चढ़ाव ज्यादा क्यों

चांदी केवल निवेश धातु नहीं बल्कि औद्योगिक धातु भी है। इसका उपयोग सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और विभिन्न औद्योगिक उत्पादों में तेजी से बढ़ रहा है। इस कारण चांदी की कीमतें सोने की तुलना में अधिक तेजी से ऊपर और नीचे जाती हैं। यदि वैश्विक अर्थव्यवस्था मजबूत रहती है तो औद्योगिक मांग बढ़ने से चांदी में फिर अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है। मौजूदा गिरावट में घबराकर निवेश बेचने की जरूरत नहीं है। यदि आका निवेश लंबी अवधि का है तो ऐसे उतार-चढ़ाव सामान्य माने जाते हैं।

निवेशकों के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव

- एकमुश्त बड़ी खरीदारी करने के बजाय चरणबद्ध निवेश करें।
- पोर्टफोलियो का सीमित हिस्सा ही सोने और चांदी में रखें।
- यदि कीमतों में और गिरावट आती है तो उसे खरीदारी के अवसर के रूप में देखा जा सकता है।
- फेडरल रिजर्व के फैसले और डॉलर की चाल पर नजर बनाए रखें।
- अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बजाय दीर्घकालिक लक्ष्य को प्राथमिकता दें।



केवल कमजोरी के रूप में नहीं

सोने और चांदी में आई मौजूदा गिरावट को केवल कमजोरी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और निवेशकों की सतर्कता का परिणाम है। विशेषज्ञों का मानना ​​है कि लंबी अवधि में सोना अभी भी पोर्टफोलियो का महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहेगा। ऐसे में घबराहट में फैसले लेने के बजाय बाजार की दिशा, वैश्विक संकेतों और अपने निवेश लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए रणनीति बनाना अधिक समझदारी होगा। फिलहाल फेडरल रिजर्व के फैसले के बाद ही बुलियन बाजार की अगली बड़ी चाल स्पष्ट होने की संभावना है।

एफडी तोड़ें या उसी पर लोन लें? जरूरत के समय लें सही फैसला

अचानक पैसों की जरूरत में जल्दबाजी न करें

बिजनेस डेस्क

बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) आज भी निवेश का सबसे भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। सुरक्षित रिटर्न, निश्चित ब्याज और पूंजी की सुरक्षा के कारण लाखों लोग अपनी बचत एफडी में निवेश करते हैं। लेकिन जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जब अचानक बड़ी रकम की जरूरत पड़ जाती है। ऐसे समय में सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या एफडी को समय से पहले तोड़ दिया जाए या फिर उसी एफडी के बदले बैंक से लोन लिया जाए। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि इसका कोई एक जवाब सभी पर लागू नहीं होता। सही विकल्प इस बात पर निर्भर करता है कि आपको कितने समय के लिए पैसे चाहिए, कितनी राशि की जरूरत है और आपकी लोन चुकाने की क्षमता कैसी है। यदि सही निर्णय लिया जाए तो ब्याज के नुकसान से बचा जा सकता है और निवेश भी सुरक्षित रह सकता है।

एफडी तोड़ने पर क्या होता है?

एफडी एक निश्चित अवधि के लिए किया गया निवेश होता है। यदि इसे मैच्योरिटी से पहले बंद कराया जाता है तो बैंक आमतौर पर तय ब्याज दर का पूरा लाभ नहीं देता। कई बैंक प्री-मैच्योर विड्रॉल पर ब्याज दर कम कर देते हैं और साथ ही पेनाल्टी भी वसूलते हैं। इसका सीधा असर आपके कुल रिटर्न पर पड़ता है। मान लीजिए आपने पांच साल की एफडी कराई है और उसे दो साल बाद ही तोड़ना पड़ जाए। ऐसी स्थिति में बैंक आपको उसी अवधि के हिसाब से ब्याज देगा और उस पर भी जुर्माना काट सकता है। इससे आपकी अनुमानित कमाई कम हो जाती है। हालांकि यदि आपको लंबे समय तक पैसों की जरूरत है और लोन पर चुकाना जाने वाला ब्याज, एफडी तोड़ने से होने वाले नुकसान से अधिक है, तो एफडी बंद कराना बेहतर निर्णय हो सकता है। इससे मविध्य में ब्याज का अतिरिक्त बोझ नहीं उठाना पड़ेगा।



एफडी पर कैसे काम करता है लोन

अधिकांश बैंक अपनी एफडी के बदले लोन या ओवरड्राफ्ट की सुविधा देते हैं। आमतौर पर बैंक एफडी राशि का 75 से 90 प्रतिशत तक लोन उपलब्ध कराते हैं। इस दौरान आपकी एफडी जारी रहती है और उस पर पहले की तरह ब्याज मिलता रहता है। लोन पर ब्याज दर सामान्यतः एफडी की ब्याज दर से 1 से 2 प्रतिशत अधिक होती है। उदाहरण के लिए यदि एफडी पर 7 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है तो बैंक लगभग 8 से 9 प्रतिशत की दर पर लोन दे सकता है। इसलिए यह पर्सनल लोन की तुलना में काफी सस्ता विकल्प माना जाता है।

कब लेना चाहिए एफडी पर लोन?

यदि पैसों की जरूरत कुछ महीनों या कम अवधि के लिए है और आपको भरोसा है कि समय पर राशि वापस कर देंगे, तो एफडी पर लोन लेना अधिक समझदारी भरा फैसला हो सकता है। इससे आपकी एफडी सुरक्षित रहती है, ब्याज मिलता रहता है और जरूरत के समय तुरंत नकदी भी उपलब्ध हो जाती है। इसके अलावा एफडी पर लोन लेने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत आसान होती है। चूंकि बैंक के पास आपकी एफडी पहले से सुरक्षा के रूप में होती है, इसलिए दस्तावेज कम लगते हैं और लोन जल्दी स्वीकृत हो जाता है।

कब तोड़नी बेहतर रहेगी एफडी

यदि आपको लंबे समय के लिए बड़ी राशि की आवश्यकता है और निकट भविष्य में लोन चुकाने की संभावना नहीं है, तो केवल ब्याज का बोझ बढ़ाने के बजाय एफडी तोड़ना बेहतर हो सकता है। ऐसी स्थिति में हर महीने ईएमआई या ब्याज चुकाने का दबाव नहीं रहेगा। हालांकि एफडी तोड़ने से पहले यह जरूर पता कर लें कि बैंक कितना ब्याज काटेगा और प्री-मैच्योर पेनाल्टी कितनी होगी। कई बार नुकसान अपेक्षा से कम होता है और एफडी बंद करना ज्यादा लाभदायक साबित हो सकता है।

दोनों विकल्पों की तुलना

एफडी तोड़ने का सबसे बड़ा नुकसान ब्याज में कमी और पेनाल्टी है, लेकिन इसके बाद किसी प्रकार की देनदारी नहीं रहती। दूसरी ओर एफडी पर लोन लेने से निवेश सुरक्षित रहता है और एफडी पर ब्याज भी मिलता रहता है, लेकिन लोन की राशि पर अतिरिक्त ब्याज देना पड़ेगा है।यानी यदि जरूरत अस्थायी है तो एफडी पर लोन बेहतर विकल्प हो सकता है, जबकि लंबी अवधि की जरूरत में एफडी तोड़ना अधिक व्यावहारिक साबित हो सकता है।

इन बातों पर करें विचार

- पैसों की जरूरत कितने समय के लिए है?
- एफडी तोड़ने पर कितना ब्याज और कितना जुर्माना काटेगा?
- एफडी पर लोन लेने पर कुल कितना ब्याज देना होगा?
- क्या आपकी आय इतनी है कि समय पर लोन चुका सकें?
- क्या आपके पास कोई अन्य बचत या आपातकालीन फंड उपलब्ध है?

पहले बनाएं इमरजेंसी फंड

वित्तीय योजनाकारों का मानना ​​है कि हर व्यक्ति को जरूरत के समय तुरंत नकदी भी उपलब्ध हो जानी है। इसके अलावा एफडी पर लोन लेने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत आसान होती है। चूंकि बैंक के पास आपकी एफडी पहले से सुरक्षा के रूप में होती है, इसलिए दस्तावेज कम लगते हैं और लोन जल्दी स्वीकृत हो जाता है।

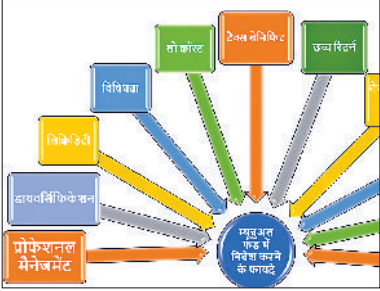
40 की उम्र में कैसे बनाएं मजबूत म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो

बिजनेस डेस्क

अक्सर माना जाता है कि 40 वर्ष की उम्र के बाद निवेश में जोखिम कम कर देना चाहिए, लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि यह पूरी तरह सही सोच नहीं है। यदि रिटायरमेंट में अभी 15 से 20 वर्ष का समय बाकी है, तो यह लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का अच्छा अवसर है। इस उम्र में सबसे जरूरी है कि निवेश को उम्र के बजाय वित्तीय लक्ष्यों और उनकी समयसीमा के अनुसार व्यवस्थित किया जाए। विशेषज्ञों के अनुसार, 40 वर्ष की उम्र तक अधिकांश लोगों के सामने बच्चों की उच्च शिक्षा, शादी, घर खरीदना और रिटायरमेंट जैसे कई लक्ष्य एक साथ होते हैं। ऐसे में हर लक्ष्य के लिए अलग निवेश रणनीति बनानी चाहिए। अल्पकालिक जरूरतों के लिए सुरक्षित निवेश और लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

रिटायरमेंट को दें अलग पहचान

बाजार के जानकारों का कहना है कि रिटायरमेंट को सामान्य निवेश का हिस्सा नहीं, बल्कि एक अलग दीर्घकालिक लक्ष्य मानना ​​चाहिए। फिन लक्ष्यों की अवधि पांच वर्ष या उससे अधिक है, उनमें लगभग 80% निवेश इक्विटी और 20% डेट में रखा जा सकता है। वहीं, दो वर्ष से कम अवधि वाले लक्ष्यों के लिए पूरी राशि डेट फंड में रखना अधिक सुरक्षित माना जाता है। उनका कहना है कि सोना भी पोर्टफोलियो में शामिल किया जा सकता है। यह मुद्रस्पर्धति और आर्थिक अनिश्चितता के समय सुरक्षा कवच का काम करता है। लंबी अवधि के पोर्टफोलियो में डेट हिस्से का एक भाग गोल्ड से बदला जा सकता है।



कितनी हो डेट की हिस्सेदारी

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के सीनियर इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजिस्ट विभिन्न जॉन के अनुसार, यदि निवेशक की जोखिम उठाने की क्षमता अच्छी है और रिटायरमेंट में अभी लंबा समय है, तो 60 से 80 प्रतिशत तक निवेश इक्विटी आधारित योजनाओं में किया जा सकता है। हालांकि यदि निकट भविष्य में किसी बड़े खर्च की योजना है, तो इक्विटी का अनुपात कम रखना चाहिए।

फिन श्रेणियों को दें प्राथमिकता

- विशेषज्ञों का मानना ​​है कि लंबी अवधि के निवेश के लिए पोर्टफोलियो में विभिन्न श्रेणियों के फंड शामिल होने चाहिए। इनमें प्रमुख हैं।
- प्लेक्सरी कैप फंड
- मल्टी कैप फंड
- लार्ज कैप फंड
- मिड कैप फंड
- स्मॉल कैप फंड
- डिविडेंड यील्ड फंड
- फोकरस्ड फंड
- बाजार पूंजीकरण के आधार पर लगभग 50-55% लार्ज कैप, 20-25% मिड कैप और शेष स्मॉल कैप में निवेश रखने की सलाह दी गई है। इससे बाजार के विभिन्न चक्रों में संतुलित रिटर्न मिलने की संभावना रहती है।

हर साल बहाने एसआईपी

विशेषज्ञों का सुझाव है कि जैसे-जैसे आय बढ़े, वैसे-वैसे एसआईपी भी बढ़ानी चाहिए। यदि हर वर्ष 10 से 15 प्रतिशत की स्टेप-अप एसआईपी की जाए तो रिटायरमेंट के समय बनने वाला फंड काफी बड़ा हो सकता है।

हर वर्ष करें पोर्टफोलियो की समीक्षा

निवेशकों को वर्ष में कम से कम एक बार अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करनी चाहिए। यह देखना जरूरी है कि एसेट एलोकेशन तय लक्ष्य के अनुसार है या नहीं, वित्तीय लक्ष्य बदले हैं या नहीं और जोखिम उठाने की क्षमता में कोई बदलाव आया है या नहीं। यदि बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण निवेश का अनुपात बदल गया है, तो रीबैलेंसिंग करनी चाहिए।

इन गलतियों से बचे

विशेषज्ञों के अनुसार 40 की उम्र में सबसे बड़ी गलती यह है कि लोग आय बढ़ने के बावजूद निवेश नहीं बढ़ाते। दूसरी बड़ी गलत रिटायरमेंट के लिए अलग रणनीति न बनाना है। कई लोग अपनी अधिकांश बचत अभी भी केवल फिक्स्ड डिपॉजिट जैसे पारंपरिक साधनों में रखते हैं, जो लंबे समय में महंगाई को मात देने में अवसर सक्षम नहीं होते। इसके अलावा कम से कम छह महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड, पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा और टर्म इश्योरेंस भी होना चाहिए, ताकि किसी आपात स्थिति में लंबी अवधि के निवेश को बीच में न तोड़ना पड़े।

यह रखें ध्यान

40 वर्ष की उम्र निवेश की दौड़ में देर नहीं है। यदि सही एसेट एलोकेशन, नियमित एसआईपी, वार्षिक पोर्टफोलियो समीक्षा और वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप निवेश रणनीति अपनाई जाए, तो अगले 15-20 वर्षों में मजबूत रिटायरमेंट कॉर्पस तैयार किया जा सकता है। उम्र से अधिक महत्वपूर्ण है अनुशासित निवेश और समय पर सही निर्णय।

10 साल में 1 लाख को 5 लाख से ज्यादा बनाने वाले टॉप म्यूचुअल फंड लंबी अवधि के निवेश में स्मॉल और मिडकैप फंडों ने किया शानदार प्रदर्शन, रणनीतियां बेहतर परिणाम देने में मददगार

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड लंबे समय में संपत्ति बनाने का एक प्रभावी माध्यम माना जाता है। बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद यदि निवेशक धैर्य बनाए रखें और लंबी अवधि के लिए निवेश करें, तो अच्छे फंड बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। पिछले 10 वर्षों के प्रदर्शन पर नजर डालें तो कई ऐसी म्यूचुअल फंड योजनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने निवेशकों के 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश को 5 लाख रुपये से अधिक में बदल दिया। खास बात यह है कि इन सभी योजनाओं का एक्सपेंस रेशियो 1 प्रतिशत से कम रहा, जिससे निवेशकों पर फंड प्रबंधन की लागत भी कम पड़ी। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी फंड का चयन केवल पिछले रिटर्न के आधार पर नहीं करना चाहिए, बल्कि निवेशकों को अपने वित्तीय लक्ष्य, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश अवधि को भी ध्यान में रखना चाहिए।

किस फंड का कैसा रिटर्न

- पिछले 10 वर्षों के आंकड़ों के अनुसार निर्पॉन इंडिया स्मॉल कैप डायरेक्ट फंड ने करीब 21.27 प्रतिशत का वार्षिक रिटर्न दिया। इस प्रदर्शन के आधार पर 1 लाख का निवेश बढ़कर लगभग 6.87 लाख रुपये हो गया। यह फंड लंबे समय से स्मॉल कैप श्रेणी में बेहतर प्रदर्शन करने वाले फंडों में गिना जाता है।
- इनवेस्को इंडिया मिड कैप डायरेक्ट फंड दूसरे स्थान पर रहा। इसने लगभग 20.03 प्रतिशत का वार्षिक रिटर्न दिया और 1 लाख का निवेश करीब 6.20 लाख तक पहुंच गया।
- एक्सिस स्मॉल कैप फंड ने 19.51 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न के साथ निवेश को लगभग 5.94 लाख, जबकि एडेलवाइस मिड कैप फंड ने 19.47 प्रतिशत रिटर्न देकर इसे 5.92 लाख रुपये तक पहुंचाया।

एसआईपी निवेशकों को लाभ

सिर्फ एकमुश्त निवेश ही नहीं, बल्कि नियमित निवेश यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) करने वाले निवेशकों को भी इन योजनाओं से अच्छा लाभ मिला। यदि किसी निवेशक ने पिछले 10 वर्षों तक हर माह 10,000 की एसआईपी की होती, तो कई योजनाओं में उसका निवेश 35 लाख से 38 लाख रुपये के बीच पहुंच जाता।
■ एसआईपी प्रदर्शन में क्वांट मल्टी एसेट एलोकेशन फंड सबसे आगे रहा। इसके बाद बैंक ऑफ इंडिया मैयूफैक्चरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, निर्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड, इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड, एडेलवाइस मिड कैप फंड, डीएसपी इंडिया टीआईजीआईआर फंड, एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, निर्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड और एक्सिस स्मॉल कैप फंड का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा।



एक्सपेंस रेशियो क्यों है महत्वपूर्ण

म्यूचुअल फंड में एक्सपेंस रेशियो वह शुल्क होता है, जो फंड हाउस निवेशकों के पैसे के प्रबंधन के लिए वसूलता है। यदि यह शुल्क कम होता है, तो निवेश का बड़ा हिस्सा बाजार में लगा रहता है और लंबे समय में निवेशक को बेहतर नेट रिटर्न मिल सकता है। यही कारण है कि विशेषज्ञ निवेशकों को रिटर्न के साथ-साथ एक्सपेंस रेशियो पर भी ध्यान देने की सलाह देते हैं। इस सूची में शामिल सभी फंडों का एक्सपेंस रेशियो 1 प्रतिशत से कम है, जो निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत माना जाता है।

स्माल और मिडकैप फंडों का रहा दबदबा

टॉप 10 की सूची में सबसे अधिक फंड स्मॉल कैप और मिड कैप श्रेणी के हैं। इसका कारण यह है कि पिछले एक दशक में इन श्रेणियों की कई कंपनियों ने तेज विकास दर्ज किया, जिसका लाभ इन फंडों को मिला। हालांकि स्मॉल और मिडकैप फंडों में जोखिम भी अधिक होता है। बाजार में गिरावट आने पर इनमें उतार-चढ़ाव बड़े कैप फंडों की तुलना में ज्यादा देखा जाता है। इसलिए इनमें निवेश करने वालों को लंबी अवधि का नजरिया रखना चाहिए और अल्पकालिक उतार-चढ़ाव से घबराना नहीं चाहिए।

निवेश से पहले रखें इन बातों का ध्यान

किसी भी म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले केवल पिछले रिटर्न पर भरोसा नहीं करना चाहिए। निवेशकों को फंड का निवेश उद्देश्य, पोर्टफोलियो, फंड मैनेजर का अनुभव, जोखिम स्तर, एक्सपेंस रेशियो और अपने वित्तीय लक्ष्य का आकलन करना चाहिए। इसके अलावा, निवेश को विभिन्न श्रेणियों में बांटकर जोखिम कम किया जा सकता है। नियमित अंतराल पर पोर्टफोलियो की समीक्षा करना भी जरूरी है ताकि बदलती बाजार परिस्थितियों के अनुसार निवेश रणनीति में आवश्यक बदलाव किए जा सकें।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

वित्तीय सलाहकारों के अनुसार, पिछले 10 वर्षों का शानदार प्रदर्शन भविष्य में भी उसी तरह के रिटर्न की गारंटी नहीं देता। बाजार की स्थिति, ब्याज दरें, आर्थिक विकास और वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार फंडों का प्रदर्शन बदल सकता है। इसलिए निवेशकों को किसी एक फंड या एक ही श्रेणी पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय विविधीकृत पोर्टफोलियो बनाना चाहिए। लंबी अवधि, अनुशासित निवेश और नियमित एसआईपी जैसी रणनीतियां बेहतर परिणाम देने में मदद कर सकती हैं।

खबर संक्षेप



रिटायर्ड कर्मचारी 29 सितंबर को उपायुक्त कार्यालय पर देंगे धरना

भिवानी। हरियाणा में सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने अपनी लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। भिवानी में रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला कमेटी और सभी ब्लॉकों के पदाधिकारियों की बैठक जिला प्रधान नरेश शर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि सरकार ने उनकी जायज मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन के आह्वान पर 29 सितंबर को देशभर में सुबह 10 बजे से उपायुक्त कार्यालयों पर 24 घंटे का राष्ट्रव्यापी पड़ाव डाला जाएगा।

महम रोड बड़चौक पर रक्तदान शिविर 16 को भिवानी।

महम रोड स्थित बड़ चौक सर छोटराम चौक पर सहारा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 16 अगस्त को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर कैंसर मरीजों के लिए राश्ट्रीय कैंसर सस्थान एम्स बाड़सा के लिए लगाया जाएगा। शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने बताया कि रक्तदान से बढ़कर कोई पुण्य का कार्य नहीं है, हमें अपने जन्मदिन सहित प्रत्येक खुशी के अवसर पर रक्तदान जैसे महान कार्य की मुहिम को अपनाना होगा। इससे न केवल आगामी पीढ़ियों को अच्छा संदेश मिलेगा, बल्कि हमारा युवावर्ग भी रक्तदान कार्य के प्रति जागरूक होगा। उन्होंने आमजन विशेषकर युवावर्ग से आह्वान किया कि रक्तदान की मुहिम में बढ़ चढ़कर भाग लें।

जेबीटी मर्ती पर कांग्रेस की साजिश हुई उजागर

तोशाम। इंडियन नेशनल लोकदल जिला भिवानी के किसान सेल जिला अध्यक्ष अजीत बडेसरा ने सन 2000 की 3206 जेबीटी अध्यापक भर्ती पर आए पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले के बाद कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इससे ओमप्रकाश चौटाला के खिलाफ रची गई राजनीतिक साजिश सबके सामने उजागर हुई है। उन्होंने दावा किया की अगलत ने भर्ती प्रक्रिया को मेरिट आधारित माना है और शेष 150 अभ्यर्थियों को भी बैक डेट से सेवा लाभ देने के निर्देश दिए गए हैं। अजीत बडेसरा ने प्रेस को जारी बयान में आरोप लगाते हुए कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने सीबीआई का दुरुपयोग कर चौटाला को फसाया था। उनका कहना था कि सन 2000 में 3206 जेबीटी अध्यापकों का पचन निष्पक्ष तरीके से हुआ था लेकिन कांग्रेस को यह हजम नहीं हुआ और गलत तरीके से ओमप्रकाश चौटाला को फसाया गया। जिला अध्यक्ष अजीत बडेसरा ने भाजपा सरकार पर भी गेस्ट टीचरों, एचकेआरएन व एनएचएम कर्मचारियों से किए वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाया और कहा कि कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा का लाभ अब तक नहीं मिला है।

पेड़-पौधे धरती की सुंदरता ही बढ़ाने के साथ जीवन रक्षक : प्रधान संदीप

भिवानी। पर्यावरण संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की कुंजी है। इसी विचार को साकार करते हुए गांव बडेसरा में सबसे प्यारा गांव हमारा सेवा समिति बडेसरा ने शनिवार को पौधरोपण अभियान आयोजित किया। समिति के प्रधान संदीप की अध्यक्षता तथा बाबा लहनानाथ महाराज की अनुग्राह में चलाए अभियान के तहत गांव के ऐतिहासिक रोली माता तालाब परिसर व आसपास के क्षेत्रों में करीब 300 पौधों रोपे गए। अभियान की सबसे खूबसूरत बात ये रही कि इसमें गांव के बुजुर्गों से लेकर युवाओं तक हर वर्ग ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पर्यावरण सेवा की अनूठी मिसाल पेश की। समिति के प्रधान संदीप ने पौधरोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पेड़-पौधे केवल धरती की सुंदरता ही नहीं बढ़ाते, बल्कि वे हमारे जीवन का मूल आधार हैं, जिस तरह से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है और भीषण गर्मी व प्रदूषण बढ़ रहा है, ऐसे में पौधरोपण ही इसका एकमात्र स्थायी समाधान है। उन्होंने कहा कि एक पौधा लगाना केवल एक गढ़ा खोदकर पेड़ लगाना नहीं, बल्कि एक जीवन को सींचने जैसा है। हमारा लक्ष्य केवल 300 पौधे लगाना भर नहीं है, बल्कि इन्हें एक वृक्ष के रूप में बड़ा होते देखना है। उन्होंने बताया कि रोपित किए 300 पौधों के संरक्षण और नियमित सिंचाई के लिए अलग-अलग ग्रामीणों की व्यक्तिगत जिम्मेवारी सौंपी गई है। इस अवसर पर सुरेंद्रपाल, रमेश, विजेन्द्र सिंह, नरेश जांगडा, कर्णसिंह ठेकेदार, राजपाल सिंगल, प्रेम शर्मा, योगेंद्र, बलजीत, बबलू, देवेन्द्र सिंह व देवेन्द्र शर्मा आदि मौजूद रहे।



हरित भिवानी के संकल्प को साकार करने के लिए न्यायालय परिसर में रोपे पौधे स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण हर नागरिक का अधिकार और जिम्मेदारी: सीजेएम



भिवानी। कोर्ट परिसर में पौधे रोपित करते हुए।

फोटो : हरिभूमि

पर्यावरण संरक्षण वर्तमान की सबसे बड़ी आवश्यकता : डॉ. गगनदीप कौर

हरिभूमि न्यूज़ >>> भिवानी

पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भिवानी के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से न्यायालय परिसर में वन विभाग के सहयोग से पौधरोपण अभियान आयोजित किया गया। अभियान का शुभारंभ जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पवन कुमार, अन्य न्यायाधीशों सहित जिला बार एसोसिएशन के प्रधान संदीप तंवर और सचिव विनोद भारद्वाज ने पौधारोपण कर किया। अभियान के दौरान फलदार एवं छायादार सहित विभिन्न प्रजातियों के सैकड़ों पौधे लगाए गए।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. गगनदीप कौर सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। पौधारोपण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि आने

वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कोर्ट परिसर के सभी अधिकारियों कर्मचारियों को पौधे वितरित करते हुये कहा कि सभी अधिक से अधिक पौधे लगाए और पौधों की नियमित देखभाल करने तथा उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाना समय की मांग है। पौधारोपण अभियानों को जन आंदोलन का स्वरूप देकर ही पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य को प्रभावी ढंग से हासिल किया जा सकता है। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पवन

कुमार ने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार होने के साथ-साथ उसकी जिम्मेदारी भी है। अधिक से अधिक पौधे लगाकर तथा उनकी समुचित देखभाल करके ही पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पौधों का संरक्षण और संवर्धन पौधरोपण जितना ही महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थितजनों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का प्रण दोहराया। इस अवसर पर न्यायालय विभाग व वन मंडल के अधिकारीगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण मानव अस्तित्व की अनिवार्य आवश्यकता बन चुका : हनुमान कौशिक

भिवानी। महारी संस्कृति महारा स्वामिमान, जीवन ज्योति फाउंडेशन व एक विचार एक सोच मंच सामाजिक संस्थाओं द्वारा हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला विधानसभा क्षेत्र से विधायक एवं पूर्व मंत्री सुधीर शर्मा का 53वां जन्मदिन आज जनसेवा के रूप में यहां हांसी रोड स्थित श्रीराम निःशुल्क पाठशाला में आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों को स्टेशनरी, फल वितरित किए गए वहीं विद्यालय परिसर में श्रावण पावन मास पर बेलपत्र का पौधा भी रोपित किया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महारी संस्कृति महारा स्वामिमान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित हनुमान कौशिक रहे जबकि समारोह की अध्यक्षता जीवन ज्योति

फाउंडेशन के अध्यक्ष सोमवीर शर्मा ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सभाजसेवी कर्तू लू शर्मा, बहामकुमारीजी के मीडिया कोऑर्डिनेटर धर्मवीर सिंह नागर, कर्मचारी नेता सूरजमल लोधा, पूर्व सैन्य अधिकारी एवं सभाजसेवी राज नरेंद्र फौजदार, छात्र संघर्ष समिति के पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र मौजूद रहे। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन समिति के कोषाध्यक्ष रमेश बंसल, अमित वैद, जितेंद्र वालिया, पवन शर्मा, जितेंद्र धारोवाल भी मौजूद रहे।



जागृति मोर्चा ने कोर्ट परिसर में लगाए पौधे

भिवानी। शनिवार को हरियाणा जागृति मोर्चा ने पौधारोपण कार्यक्रम के तहत कोर्ट परिसर में पौधरोपित किए। इस दौरान अन्य लोगों से भी जन्मदिन व महापुरुषों व बुजुर्गों की स्मृति में पौधरोपित करने का आहवान किया। लोगों के जागरूक करके ही इस अभियान को मुकाम तक पहुंचाया जा सकता है। यहां यह बताते चले कि हरियाणा जागृति मोर्चा ने इस सीजन में पांच सौ पौधे लगाने की शपथ ली हुई है। इससे पहले उन्होंने बवानीखेड़ा तहसील व थाना परिसर में पौधरोपित किए है। आज इसी कम में कोर्ट परिसर में पांच पौधे रोपित किए। एकत्रित मोर्चा व अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए मोर्चा के अध्यक्ष एवं अधिवक्ता राजेश सिंधु ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर ही पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है। पौधे से हरियाली बढ़ती है।



विद्यार्थियों ने क्लाइमेट वॉरियर बनकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज़ >>> भिवानी



लिटिल हार्ट्स कॉन्वेंट स्कूल में तृतीय कक्षा के विद्यार्थियों की विशेष सभा का आयोजन किया, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने क्लाइमेट वॉरियर बनकर पेड़ लगाओ, जल बचाओ, धरती व पर्यावरण संरक्षण के संदेश दिए। विद्यालय के महासचिव संजय गोयल, एमडी पवन गोयल व भावना गोयल ने बताया कि स्कूल की तृतीय कक्षा के बच्चों ने नृत्य, संगीत, भाषण गतिविधि व क्लाइमेट वॉरियर विषय पर लघु नाटिका का आयोजन किया। विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर प्लास्टिक पर प्रतिबंध,

प्रदूषण मिटाओ, रिसाईकल, वन्य जीव व पौधें बचाओ, पर्यावरण, भूमि व जल संरक्षण आदि संदेश दिए। बच्चों की प्रतिभा को देखते हुए विद्यालय की निर्देशिका ऐश्वर्या सिंघल, निर्देशक राम सिंघल, राहुल गोयल, निश्चल गोयल, साक्षी गोयल व प्राचार्या वीना सेठ ने उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कोर्डिनेटर पुनम मस्ताना, ममता, पुनम अरोड़ा, रितु लांबा, सरिता, अनिषा, भावना व चारु आदि मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री ने छात्रों से पौधों की नियमित देखभाल करने का किया आह्वान

बहल। राजकीय महिला महाविद्यालय में शनिवार को वन महोत्सव के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री जेपी दलाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उपस्थित लोगों ने फल व छायादार पौधे लगाकर उनको पेड़ बनाने का संकल्प लिया। शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में मार्केट कमेटी बहल के चेयरमैन रवि महमिया, पूर्व सरपंच गजानंद अंगवाल व भाजपा नेता हनुमान शर्मा पाजु ने भी महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। पूर्व मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की

सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। इस दौरान पूर्व चेयरमैन सुशील केडिया, पवन शर्मा सूरपुरा, नवीन बागान, हरीश मोरका, प्रो. मेनपाल, डॉ. संदीप, अंकित यादव, रमेश, मनजीत सहित महाविद्यालय स्टाफ के अलावा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।



नृत्य में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा



चरखी दादरी। बी.आर शिक्षण संस्था द्वारा संचालित आईपीएस स्कूल बिरही कला में कक्षा दूसरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन कृष्ण भारद्वाज एवं प्रधानाचार्य सज्जन शर्मा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभा को मंच उपलब्ध कराना, उनमें आत्मविश्वास को बढ़ाकर तथा भारतीय संस्कृति और कला के प्रति रुचि बढ़ाना रहा। विद्यार्थियों ने देशभक्ति, लोक, पंजाबी, हरियाणवी और सांस्कृतिक गीतों पर आकर्षक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की खूब सरहना बटोरी। रंग-बिरंगी वेशभूषा, भावपूर्ण अभिनय, लय-ताल और प्रभावशाली मंच प्रस्तुति ने पूरे कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

आरती व अन्य पूजा पाठ की प्रक्रिया मंदिर के भीतर हो

भिवानी। विद्यानगर शिवाजी मार्ग क्षेत्र की यादव गली वासी महिला जोतबाई, राममेहर, प्रमिला, मीना देवी, अंजू, सरोज व सुमन ने उनके मकानों के पास अवैध रूप से एक माता का अवैध मंदिर बनाने का आरोप लगाया। उक्त महिला व पुरुषों ने बताया कि यह मंदिर 142 वर्ग में बना हुआ है। इसके साथ 20 फुट चौड़ी एक गली लगनी है। साथ में एक खाली प्लाट भी लगता है। मंदिर से जुड़े लोग आरती व पूजा सहित अन्य कार्य मंदिर में न करके गली व खाली प्लाट में करते हैं।

सांजरवास स्कूल में प्रतियोगिता करवाई

चरखी दादरी। गांव सांजरवास स्थित शहीद बगड़ावत सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में नशा मुक्त युवा भारत अभियान के तहत शनिवार को पेंटिंग प्रतियोगिता और जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्राचार्य शशिप्रभा ने की। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति और प्रभावी नारों के माध्यम से समाज को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्ति का संदेश दिया। पेंटिंग प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में प्राची ने प्रथम, अजय ने द्वितीय तथा नेहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय प्रशासन ने विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. भुवनेश गौड़ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशे की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और भविष्य पर गंभीर प्रभाव डालती है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

शामिल कर दिया गया है। इससे जिले में आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं पहले की तुलना में अधिक सुदृढ़ और प्रभावी होंगी। जिला स्वास्थ्य विभाग के अनुसार विभाग के पास पहले 12 एंबुलेंस थीं। दो नई एएलएस एंबुलेंस शामिल होने के बाद अब कुल संख्या बढ़कर 14 हो गई है। इस बढ़ोतरी से शहरी क्षेत्र के साथ-साथ दूरदराज के ग्रामीण इलाकों में भी भी आपात स्थिति के दौरान मरीजों तक समय पर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में मदद मिलेगी।



हरिभूमि न्यूज़ >>> चरखी दादरी

जिले के नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में राहत भरी खबर है। स्वास्थ्य विभाग ने दो नई अत्याधुनिक एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एंबुलेंस की सभी प्रशासनिक और तकनीकी औपचारिकाएं पूरी करने के बाद उन्हें मरीजों की सेवा के लिए शुरू कर दिया है। पारसिंग प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन दोनों जीवनरक्षक एंबुलेंस को आधिकारिक रूप से नागरिक अस्पताल और मातृ-शिशु अस्पताल के बेड़े में



हरिभूमि न्यूज़ >>> भिवानी

माक्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की जिला कमेटी असम राज्य में आई बाढ़ पर गहरी चिंता प्रकट करती है। माकपा जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि भयंकर बाढ़ से हजारों की संख्या में लोग विस्थापित हुए हैं। चार हजार से ज्यादा गांव में 50 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ में बड़े पैमाने पर पशुओं की भी मौत हुई है और 30 जिलों में 15 लाख हेक्टेयर से अधिक जमीन जलमग्न कर दी है। नागालैंड की पहाड़ियों से अचानक और

अभूतपूर्व मात्रा में पानी के बहाव और असम में भारी बारिश के कारण उपरी असम के तीन जिलों में दशकों में पहली बार इतना भारी नुकसान हुआ है। राहत व बचाव कार्यों की अपर्याप्तता ने जनता की पीड़ा को और ज्यादा बढ़ा दिया है। प्रभावित जिलों के बड़े हिस्से जलमग्न व दुर्गम बने हुए हैं, जिससे हजारों लोग प्रयाप्त भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सेवा और आश्रय के बिना फंसे हुए हैं। भाजपा शासित असम सरकार जनता के जीवन और आजीविका की सुरक्षा प्रदान करने के अपने कर्तव्य में घोर विफल रही है।

सेठ किरोड़ीमल राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन

जिला स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में मदर्स प्राइड स्कूल ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज़ >>> भिवानी

स्कूल शिक्षा विभाग हरियाणा के निर्देशानुसार सेठ किरोड़ीमल राजकीय मॉडल संस्कृति वमा विद्यालय में जिला स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें मुख्यतिथि भिवानी मौलिक जिला शिक्षा अधिकारी विनय कुमार ज़िंदल तथा अध्यक्षता खण्ड शिक्षा अधिकारी युद्धवीर सिंह ने की। कार्यक्रम के संयोजक प्रवक्ता प्रवेश गौतम तथा विद्यालय प्राचार्या सविता घणघुस भी उपस्थित रही। कार्यक्रम में अंडर 11 में लड़कें-लड़कियों की एकल अभिनय, समूहगान, रागनी, फैसी ड्रेस, पेंटिंग,



भिवानी। अतिथियों के साथ जिला स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी।

एकल नृत्य व समूह नृत्य प्रतियोगिताएं करवाई गईं।

कार्यक्रम में मुख्यतिथि डीईईओ विनय ज़िंदल व बीईओ युद्धवीर सिंह ने कहा कि सांस्कृतिक प्रतियोगिता से बचपन से ही बच्चों में अपनी कला व संस्कृति का ज्ञान होता है तथा उन्हें

अपनी छुपी हुई प्रतिभाओं को दिखाने का मंच मिलता है। कार्यक्रम संयोजक प्रवेश गौतम ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रखने वाले विजेताओं को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि लड़कों में

योगदान रहा

कार्यक्रम में जज की भूमिका में दीपमाला शर्मा, डॉ. अनुग्राधा शर्मा, डॉ. मीनाक्षी शर्मा, डॉ. सरोज, नीरज शर्मा, सुनीता कुमारी, मनोष कुमार, नीतू, कोमल, शीतल शर्मा, हरेश, तरूण व लक्ष्मण गौड़ का विशेष योगदान रहा।

समूहगान में मदर्स प्राइड प्रथम, एकल अभिनय यायन तंवर जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल प्रथम व यायन महता मदर्स प्राइड द्वितीय, पेंटिंग प्रतियोगिता में हार्दिक राइजिंग स्टार प्रथम, फैसी ड्रेस में हरेश जीडी गोयनका प्रथम व दिवांश मदर्स प्राइड द्वितीय तथा लड़कियों में फैसी ड्रेस में मदर्स प्राइड की गरिमा प्रथम रही।



बवानीखेड़ा के स्कूल में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लगाए पौधे

बवानीखेड़ा। वीर शहीद कपिल देव राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी सुरेश कुमार, विद्यालय प्राचार्य दिनेश कुमार, सत्यवान यादव, हरदीप बागोतिया, मनोज अंगवाल, हुनेश अंगवाल, महेंद्र अत्री, विनोद कुमार, भूपेंद्र कुमार, गरिमा रानी, एबीआरसी श्रीमती राज कुमारी, रमेश कुमार, नीरज सहित विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर थाना प्रभारी, विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने मिलकर विद्यालय परिसर में दर्जनों पौधे लगाए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति जिम्मेदार बनाना रहा। पौधारोपण के दौरान उपस्थित लोगों ने पौधों की नियमित देखभाल करने का भी संकल्प लिया।

महम गेट से बड़ चौक तक फिर लौटने लगी हरियाली

भिवानी। महम रोड के चौड़ीकरण कार्य के दौरान महम गेट से बड़ चौक तक नष्ट हुए 50 पौधों के स्थान पर अब एक बार फिर हरियाली लौटने लगी है। भिवानी पर्यावरण शुद्धिकरण समिति के निरंतर प्रयासों और जिला प्रशासन व वन विभाग के सहयोग से सड़क के दोनों ओर बड़े और सुंदर पौधे रोपने का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू हो गया है। उल्लेखनीय है कि सड़क चौड़ीकरण के दौरान समिति द्वारा पोषित 50 पौधे नष्ट हो गए थे। समिति द्वारा प्रशासन व वन विभाग से लगाने पर नवेदन किया जा रहा था। जब समस्या का तुरंत समाधान नहीं हुआ, तो समिति ने समस्या समाधान शिविर का सहारा लिया।



न्यूज डायरी



हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजा शहर

चरखी दादरी। सावन मास की शिवरात्रि के अवसर पर बड़ा शिव मंदिर सेवा समिति के तत्वावधान में शनिवार को भगवान भोलेनाथ महाकाल की भव्य सवारी एवं विशाल कलश शोभायात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ निकली जाई। सैकड़ों श्रद्धालुओं की सहभागिता से निकली शोभायात्रा में हर-हर महादेव और बम-बम भोलें के जयघोष से पूरा शहर शिवव्रज हो गया। कार्यक्रम में उज्जैन महाकाल के श्रीश्री 108 श्री महंत झानेस्वरी मां का सान्निध्य प्राप्त हुआ।

रामबास में 250 पौधे लगाए

चरखी दादरी। बहमाकुमारीज समाज सेवा प्रमाण द्वारा स्थापित समाज के लिए ईश्वरीय योजना प्रोजेक्ट के अंतर्गत बहमाकुमारी सेवाकेंद्र कादमा के तत्वावधान में गांव रामबास की रमेशन भूमि एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर वृहद पौधारोपण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान लगभग 250 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण, हरित भविष्य और जनमागीदारी का संदेश दिया गया। पौधारोपण के दौरान राजयोगिनी बहमाकुमारी वसुधा ने कहा कि प्रकृति की सेवा ही सच्ची मानव सेवा है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी नियमित देखभाल का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आध्यात्मिक जागरूकता का महत्वपूर्ण अंग है तथा स्वच्छ और हरित वातावरण से ही स्वास्थ्य एवं सुखी समाज का निर्माण संभव है। सरपंच प्रतिनिधि अशोक शर्मा ने समाज सेवा प्रमाण के इस जन्महितकारी अभियान की सरहना करते हुए कहा कि पौधारोपण केवल एक दिवस का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है।



विधायक ने प्रतियोगी छात्रों से किया संवाद

चरखी दादरी। विधायक सुनील सांगवान ने जिले की प्रमुख शिक्षण संस्थाओं जिले सिंह अकादमी और अलार अकादमी में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों एवं युवाओं से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों की समस्याएं सुनीं, उनके सुझाव लिए और भरोसा दिलाया कि युवाओं की आवाज को सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा जाएगा। जिले सिंह अकादमी में निदेशक जयपाल सांगवान की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भर्ती प्रक्रियाओं में सुधार से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे।



उत्तरदायित्व का बोध करवाती असल शिक्षा: गोपाल

भिवानी। भावी पीढ़ी में चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना और राष्ट्रभक्ति की अलख जगाने के उद्देश्य से विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल भिवानी द्वारा चलाए जा रहे देशव्यापी जनजागरण अभियान के तहत जनसेवा विद्या विहार स्कूल में संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित विहिप व बजरंग दल के जिला मंत्री गोपाल तंवर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है, असली शिक्षा वही है जो संस्कार, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व का बोध करवाए। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और श्रीसनातन धर्म के महान मूल्यों को अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा दी।



कॉमनवेल्थ गेम्स में बेटी के गोल्ड जीतते ही धनाना में जश्न

भिवानी। धनाना की बेटी साक्षी के गोल्डन पंच ने देश की झोली में सोना डाल दिया। बेटी की इस जीत पर गांव धनाना ही नहीं प्रदेश व देश में जश्न का माहौल है। बेटी की जीत पर धनाना व भिवानी में खेल प्रेमियों ने जमकर पटाखे फोड़कर खुशी मनाई। धनाना में देर शाम जैसे ही बेटी साक्षी की जीत की खबर मिली तो हर कोई खुशी के मारे उछलने लगा। घर पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। देर रात तक खेल प्रेमी ढोल नगाड़ों के साथ खुशी मनाते नजर आए। बेटी साक्षी जिस

वक्त कॉमनवेल्थ में खेलने के लिए जा रही थी उस वक्त मेरे सामने बेटी ने कहा था कि मां सोना जीत कर लावेंगे। बेटी ने आज उसका ही नहीं देश के करोड़ों लोगों का जितने का सपना पूरा कर दिया। उन्होंने बताया कि इस दिन उनको इंतजार था। साक्षी की मां शीला ने बताया कि जब बेटी देश लौटगी उस वक्त वे ही नहीं पूरा गांव उसका स्वागत करेंगे। बेटी के घर आने पर खीर चुरमा और दाल खिलाएंगी। क्योंकि साक्षी को उबत चीजें बेहद पसंद है।

बांटे लहू
मां शीला बोली इस दिन इंतजार था घर आने पर खिलाऊंगी खीर-चूरमा



दुनिया के किसी भी बॉक्सर को हराते में सक्षम है साक्षी

कमल प्रधान ने बताया कि साक्षी में जबर्दस्त टैलेंट है। वह दुनिया की किसी भी बॉक्सर को हरा सकती है। आज जिस महिला बॉक्सर को हराया है वह दुनिया की बेहतरीन बॉक्सर है। उन्होंने सरकार से कॉमनवेल्थ गेम में गोल्ड मेडल जीतने वाले को दो करोड़, रजत पदक जीतने वाले को डेढ़ करोड़ तथा कांस्य पदक जीतने वाले को एक करोड़ तथा कम से कम डीएसपी की नौकरी दी जाए।

खबर संक्षेप

यूजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश की तिथि 10 तक बढ़ाई

भिवानी। चौधरी बंसी लाल विवि ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए संचालित विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 30 जुलाई से बढ़ाकर 10 अगस्त तक कर दी गई है। कुलपति प्रो. दीपति धर्माणी ने विद्यार्थियों के व्यापक हित को देखते हुए स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाने की स्वीकृति प्रदान की है।

चार-पांच लोगों पर दंपति ने लगाया मारपीट का आरोप

लोहारू। ढिगावा के पास बाइक सवार दंपति पर चार पांच लोगों द्वारा मोटरसाइकिल रुकवा कर मारपीट करने और धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। गांव ढिगावा निवासी नरेश कुमार की शिकायत पर लोहारू पुलिस ने एक नामजद सहित चार पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नरेश कुमार ने आरोप लगाया है कि वह अपनी पत्नी के साथ खेत में जा रहा था। तभी रास्ते में चार पांच लोगों ने उसकी मोटरसाइकिल रुकवाकर मारपीट की और कपड़े भी फाड़ दिए।

लोहारू विधानसभा की विशेष बैठक आयोजित

बहल। भाजपा लोहारू विधानसभा की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर संयुक्ततात्मक रणनीति पर चर्चा की गई। बीआरसीएम विभाग परिसर के लॉ कॉलेज के सभागार हॉल में बैठक की अध्यक्षता पूर्व कैबिनेट मंत्री जेपी दलाल ने की जबकि हरियाणा सरकार के चेरमेन भारत भूषण जुयाल मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे।

ग्वार फसल को हरा तेला कीट के प्रकोप से बचाएं

भिवानी। वातावरण में अधिक नमी बनी हुई है। ऐसी परिस्थिति हरा तेला व झुलसा रोग के पनपने में सहायक है। अतः किसानों को चाहिए कि वे फसल पर नजर रखें तथा इनका प्रकोप बढ़ने पर रोकथाम के उपाय अपनाएं। उक्त विचार एचयूएच हिसार के कीट विज्ञान विभाग से सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डा. आर.के. सेनी ने गांव सेहर में किसानों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उक्त कीट की रोकथाम के लिए प्रति एकड़ 250 मिली मैलाथिआन अथवा रोगोर, तथा 18 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन मिला कर स्प्रे करें।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, शॉप नं. 47, इन्फोर्मेट ट्रस्ट मार्केट, मिवानी फोन नं. : 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/-
10 X 8 सें.मी		रु. 2500/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कोई रेट लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

मिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इन्फोर्मेट ट्रस्ट मार्केट, मिवानी फोन नं. : 8814999170, दादरी : 9253681008

जिला शिक्षा अधिकारी ने की प्रतियोगिता की अध्यक्षता

जिला स्तरीय स्कूली कुश्ती स्पर्धा में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न स्कूलों के छात्र एवं छात्राओं ने अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया

हरिभूमि न्यूज ►►चरखी दादरी

नगर के देवी ढाणा रोड स्थित बहादुर सिंह अखाड़ा परिसर में जिला स्तरीय स्कूली कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न स्कूलों के छात्र एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी धर्मेन्द्र चौधरी तथा जिला खेल सहायक अधिकारी प्रदीप सांगवान ने संयुक्त रूप से की। आयोजन का मार्गदर्शन अखाड़ा संचालक एवं मुख्य कोच यासीन खान तथा शारीरिक शिक्षा संघ के जिला प्रधान अशोक फौगाट ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में सदर थाना प्रभारी उप निरीक्षक सतवीर सिंह उपस्थित रहे। उनके साथ अमनदीप, सचिन, संदीप, कुश्ती संघ चरखी दादरी के सचिव योगेश कलकल, धर्मवीर घसोला, मोहित साहू, डॉ. सुरेंद्र डाला सहित अनेक गणमान्य लोगों



चरखी दादरी। प्रतियोगिता में मौजूद खिलाड़ी व अतिथि।

फोटो: हरिभूमि

प्रीति पंवार और जैस्मिन लांबोरिया को दी बधाई

मिवानी। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में हरियाणा की बेटियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए देश का गौरव बढ़ाया है। 54 किलोग्राम भार वर्ग की बॉक्सिंग स्पर्धा में हरियाणा की प्रीति पंवार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं 57 किलोग्राम भार वर्ग में मिवानी की बॉक्सर जैस्मिन लांबोरिया ने भी गोल्ड मेडल जीतकर भारत को दोहरी खुशी दी। धानक जनकल्याण मंच के प्रदेश अध्यक्ष सदीप खरकिया ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा की बेटियों ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का परचम लहराया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की खिलाड़ी लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भारत और हरियाणा का नाम रोशन कर रही हैं। सदीप खरकिया ने भी प्रीति पंवार और जैस्मिन लांबोरिया को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ने कार्यक्रम में शिरकत की। आयोजकों ने अतिथियों का फूलमालाओं एवं पागड़ी पहनाकर स्वागत किया। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और उन्हें ईमानदारी, अनुशासन व मेहनत के साथ खेल के क्षेत्र में आगे बढ़कर अपना भविष्य बनाने तथा जिले

और प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जोरावर अली, अमित सपरंच, सदीप पिलानी, विवेक, रतन पीटीआई, धर्मेन्द्र पीटीआई, विजय मंदौली, जयदीप पीटीआई, सज्जन मंदौला, अजय, नरेश, विजेंद्र, लीला, भूप, बबली, मीना कुमारी आदि मौजूद रहे।



बवानीखेड़ा। खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर उपस्थित जन।

फोटो: हरिभूमि

बीके स्कूल के विद्यार्थियों ने जिला स्तर पर खेलों में लहराया परचम

बवानीखेड़ा। 29 जुलाई, से 1 अगस्त तक मिवानी के भीम स्टेडियम में जिला स्तर पर खेलों का विशाल आयोजन किया गया। जिसमें बी.के. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने राज्य स्तर के खेलों के लिए अपना नाम दर्ज करवा कर विद्यालय का नाम रोशन किया। टेबल टेनिस में अंडर 14 में यश ठाकरान, ओजस, अंडर 17 में नैतिक दलाल, यजत, अंडर-19 में रॉबिन, जिगर राज्य स्तर के लिए चयनित हुए। तीरंदाजी में मनीशका, योगा में अंडर 17 में नुकूल, अंडर-19 में वृंदा, फुटबॉल में अंडर 14 में नीतीश, अंडर -17 में श्लोक, खो-खो में अंडर 14 में रिया, कबड्डी में अंडर 17 में चिराग राज्य स्तर के लिए चयनित हुए। चैस में अंडर 14 में वत्सल, तेजस, पार्थ, करंटी में अंडर 14 में दिशा, पावनी अंडर 17 में ध्रुविका अंडर-19 में वर्षाप्रित राज्य स्तर के लिए चयनित हुए। ताइक्वांडो में अंडर 14 में दिशा, पावनी, ध्रुविका, अंडर 17 में विवेक, वर्ष प्रीत, अंडर-19 में आरव, बास्केटबॉल में अंडर 14 में हिमांशु, ईशानी, चारवी, खुशी, अंडर-19 में ईशान व भावना ने राज्य स्तर के लिए चयनित होकर विद्यालय की गौरवान्वित किया।

जिला क्रिकेट टीम में चयन पर अंश शर्मा का नवयुग स्कूल में सम्मान

चरखी दादरी। मकड़ानी स्थित नवयुग स्कूल परिसर में शनिवार को सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के चेरमेन अजय जाखड़ ने की। समारोह में गांव बलकरा निवासी अनिल शर्मा के पुत्र एवं विद्यालय के छात्र अंश शर्मा के जिला स्तरीय क्रिकेट टीम में चयनित होने पर उसे सम्मनित किया गया। अंश का फूलमालाओं से स्वागत किया गया और पागड़ी पहनाकर उसकी उपलब्धि का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में पटवारी प्रतीक खोरड़ा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। खोरड़ा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के युवा आज विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। अंश शर्मा ने जिला स्तरीय



चरखी दादरी। खिलाड़ी अंश शर्मा का स्वागत करते हुए।

फोटो: हरिभूमि

क्रिकेट टीम में स्थान बनाकर अपने माता-पिता, गांव बलकरा और नवयुग स्कूल का गौरव बढ़ाया है। खेल बच्चों में अनुशासन, टीम भावना और संघर्ष का जज्बा विकसित करते हैं।

आदर्श स्कूल का खो-खो में शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ►►तोशाम

आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल कैरू की अंडर-11 लड़कियों की खो-खो टीम ने जिला स्तरीय स्कूल खेलकूद प्रतियोगिता में तूफानी प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया है। जिला भिवानी में चल रही खो-खो प्रतियोगिता में जिलेभर की दमदार टीमें उतरी थीं। लेकिन खंड कैरू से आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल कैरू की छोटी-छोटी खिलाड़ियों ने मैदान में जोश, जुनून और जबर्दस्त टीम वर्क दिखाया। एक के बाद एक मैच को जीतकर टीम ने सीधे फाइनल में एंट्री ली और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना नाम पक्का कर लिया जिसके कारण



तोशाम। चयनित टीम प्रशिक्षकों के साथ।

फोटो: हरिभूमि

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया

खेल प्रशिक्षक अजीत सिंह ने बताया कि खंड कैरू से अंडर-11 लड़कों की टीम पहले ही राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर चुकी है। अब लड़कों और लड़कियों की दोनों टीमों ने आने वाले राज्य स्तरीय टूर्नामेंट में खंड कैरू और जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर आदर्श एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष राजरूप धनियाँ, प्राचार्य एस. एन. पालीवाल, उपप्राधक विकास बंगालिया, दीपक बंगालिया, उपप्राचार्य संजय जांगड़ा आदि मौजूद रहे।

विद्यालय में दूसरे दिन भी खुशी का माहौल बना रहा। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर चेरमेन आर के

बंगालिया ने प्रार्थना सभागार में सभी विजेता खिलाड़ियों और उनके कोचों को बधाई दी।

दावे एवं आपत्तियां 30 तक होंगे स्वीकार

मिवानी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त साहिल गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा के निर्देशानुसार एक जुलाई 2026 को आधार तिथि मानते हुए विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2026 के तहत मतदाता सूचियों का प्रारंभिक प्रकाशन 31 जुलाई को कर दिया गया है। जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूचियों पर दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है, जो 30 अगस्त 2026 तक जारी रहेगी। उन्होंने सभी पात्र नागरिकों से निर्धारित अवधि के दौरान अपने नाम का पंजीकरण, संशोधन अथवा विलोपन संबंधी कार्य मंच पर करवाने की अपील की। उपायुक्त साहिल गुप्ता ने बताया कि प्रारंभिक प्रकाशित मतदाता सूची के अनुसार जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 941 मतदान केंद्र स्थापित हैं। इनमें लोहारू विस क्षेत्र में 246 मतदान केंद्र, मिवानी विधानसभा क्षेत्र में 227, तोशाम विधानसभा क्षेत्र में 233 तथा बवानीखेड़ा (अनुसूचित जाति) विधानसभा क्षेत्र में 235 मतदान केंद्र शामिल हैं। जिले में कुल 7 लाख 97 हजार 124 मतदाता दर्ज किए गए हैं, जिनमें 4 लाख 23 हजार 709 पुरुष, 3 लाख 73 हजार 408 महिला तथा 7 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं।

अधिवक्ता रामकिशन शर्मा का किया स्वागत

चरखी दादरी। गांव खातीवास में शनिवार को हरियाणा स्टेट वेंचरहाउसिंग कॉरपोरेशन के चेरमेन एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रामकिशन शर्मा के सम्मान में स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने उनका फूल-मालाओं, पारंपरिक पागड़ी और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। समारोह का आयोजन भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सुशीला फोगाट के निवास पर किया गया। इस अवसर पर चेरमेन रामकिशन शर्मा ने कहा कि खातीवास की जनता दाढ़ा दिया गया सम्मान उनके लिए विशेष महत्व रखता है।

सम्मान

गुरु-शिष्य परंपरा हमारी श्रीसनातन संस्कृति की रीढ़: श्रीभगवान

संस्कार भारती भिवानी ने शिक्षकों का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ►►मिवानी

संस्कार भारती भिवानी इकाई द्वारा ढाणा रोड स्थित इंग्लिशन हाई स्कूल में गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक गरिमा के साथ आयोजित किया। कार्यक्रम पूर्ण रूप से गुरु-शिष्य परंपरा और शिक्षकों के बहुमूल्य योगदान को समर्पित रहा, जहां विद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित कर उनके प्रति कृतज्ञ व्यक्ति की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक द्वीप प्रज्वलन, नटराज पूजन और मां सरस्वती को पुष्पांजलि अर्पित करके किया।



भिवानी। शिक्षकों को सम्मानित करते संस्कार भारती के पदाधिकारी।

गुरु पूर्णिमा का महत्व बताया

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण अध्यापकों व अध्यापिकाओं का सम्मान समारोह रहा। भारतीय संस्कृति में गुरु के सर्वोच्च स्थान को रेखांकित करते हुए संस्कार भारती भिवानी के सभी सदस्यों ने विद्यालय के मुखिया पृथ्वी सिंह सेनी सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं को मंच पर सम्मानित किया। उन्हें अंगवस्त्र और सम्मान-चिटहन मेंटकर राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान की सराहना की। संस्कार भारती के कार्यकारी

अध्यक्ष श्रीभगवान शास्त्री ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु-शिष्य परंपरा हमारी श्रीसनातन संस्कृति की रीढ़ है। शिक्षक केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों में सही संस्कारों का सिंचन कर सशक्त समाज की नींव रखते हैं। कार्यक्रम का मंच संचालन इकाई के सचिव अनिल पोपली ने किया। उन्होंने अतिथियों का स्वागत करते हुए गुरु पूर्णिमा के व्यावहारिक महत्व को साझा किया।



मित्रता दिवस विशेष



सफलता-सुकून-समृद्धि खुशहाल जीवन का आधार दोस्ती

इस दुनिया में हमारी पहचान विभिन्न प्रकार के आपसी संबंधों के ताने-बाने से बुनी होती है। इन संबंधों में दोस्ती यानी मित्रता को सबसे पवित्र, निःस्वार्थ और सहज माना जाता है। आधुनिक भाग-दौड़ भरी जिंदगी, व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा और मानसिक तनाव के इस दौर में दोस्ती केवल एक सामाजिक रिश्ता भर नहीं है, बल्कि हमारे ओवरऑल डेवलपमेंट और वेलबीइंग का एक जरिया भी है। अतीत गवाह है कि श्रीकृष्ण-सुदामा की सहज मित्रता से लेकर आधुनिक कंप्यूटर जगत के सह-संस्थापकों की पार्टनरशिप तक, दोस्ती ने हर युग में जीवन को एक नई दिशा दी है। वैश्विक स्तर पर हुए विभिन्न शोधों, मनोवैज्ञानिक अध्ययनों और न्यूरोसाइंस के निष्कर्षों से भी यह सिद्ध हुआ है कि एक सच्चा दोस्त हमारे जीवन में सफलता का वाहक, मानसिक सुकून का ढाल, समृद्धि का मार्गदर्शक और जीवन को सरल बनाने वाला सबसे बड़ा कारक होता है।

तनाव में होती है कमी: हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक दीर्घकालिक अध्ययन के अनुसार, जो व्यक्ति अच्छे सामाजिक संबंधों और गहरे दोस्तों के बीच रहते हैं, वे अधिक खुश और तनावमुक्त रहते हैं। जब हम किसी विश्वसनीय मित्र से अपनी बातें साझा करते हैं, तो हमारे मस्तिष्क में 'ऑक्सीटोसिन' और 'डोपामाइन' जैसे हैप्पी हार्मोन का स्राव होता है। यह प्रक्रिया कोर्टिसोल नामक तनाव उत्पन्न करने वाले हार्मोन के स्तर को तेजी से कम करती है, जिससे मानसिक सुकून मिलता है।

करियर सक्सेस में सहायक: अमेरिकी समाजशास्त्री मार्क ग्रेनोवेटेर के 'द स्ट्रेंथ ऑफ वीक टाइज' सिद्धांत और स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी में हुए शोध बताते हैं कि प्रोफेशनल लाइफ में सफलता का सीधा संबंध आपके मित्रों के दायरे और नेटवर्किंग से है। दोस्त न केवल आपको



नए अवसरों की जानकारी देते हैं, बल्कि आपके कौशल को निखारने में रचनात्मक आलोचना भी करते हैं। कार्यस्थल पर एक अच्छा मित्र होने से कर्मचारी की उत्पादकता में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है।

शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार: 'प्लॉस मेडिसिन' पत्रिका में प्रकाशित 148 अध्ययनों के एक मेटा एनालाइसिस के अनुसार, जिन लोगों का सामाजिक जीवन और मित्रों का दायरा मजबूत होता है, उनके समय से पूर्व डेथ की आशंका 50 प्रतिशत तक कम हो जाती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि अकेलेपन का स्वास्थ्य पर डेली 15 सिगरेट पीने जैसा असर होता है। दोस्त हमें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और बीमारियों से लड़ने की इच्छाशक्ति देते हैं।

खुले आर्थिक समृद्धि का मार्ग: दुनिया के कई बड़े व्यापारिक साम्राज्य जैसे गुगल (लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन) या एप्पल (स्टीव जॉब्स

और स्टीव वॉज्नियाक) गहरी दोस्ती की नींव पर बने हैं। बर्कले यूनिवर्सिटी के एक आर्थिक अध्ययन के अनुसार, मित्रों के बीच आपसी विश्वास के कारण जोखिम लेने की क्षमता बढ़ती है। जब मित्र मिलकर किसी विचार पर काम करते हैं, तो वित्तीय समृद्धि के रास्ते अधिक सुगम और सुरक्षित हो जाते हैं।

संघर्ष करने की क्षमता में इजाफा: मनोवैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि जब व्यक्ति किसी कठिन समस्या का सामना अकेले करता है, तो उसे वह समस्या बहुत बड़ी लगती है। वर्जीनिया यूनिवर्सिटी के एक प्रसिद्ध प्रयोग (हिल विजुअलाइजेशन स्टडी) में पाया गया कि दोस्तों की उपस्थिति जीवन की मुश्किलों को सरल बना देती है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास: कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अनुसार, बचपन और किशोरावस्था में बने



या झिझक के विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता होती है। यही स्वतंत्रता रचनात्मकता और नए आविष्कारों को जन्म देती है, जो आधुनिक संदर्भों में अर्थव्यवस्था में सफलता का मुख्य आधार है। *

गहरे दोस्त व्यक्ति की भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ाते हैं। दोस्तों के साथ रहकर हम सहानुभूति, साझा करना और दूसरों के दृष्टिकोण को समझना सीखते हैं।

अवसाद-अकेलेपन से सुरक्षा: शिकागो विश्वविद्यालय के कॉमिंगटन एंड सोशल न्यूरोसाइंस केंद्र के अध्ययनों के अनुसार, अकेलापन मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करता है, जो शारीरिक दर्द के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसके विपरीत, मजबूत दोस्ती एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। अवसाद या किसी बड़े व्यक्तिगत नुकसान (जैसे नौकरी जाना या प्रियजन की मृत्यु) के समय दोस्तों का भावनात्मक समर्थन मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

बढ़ते निर्णय लेने की क्षमता: येल यूनिवर्सिटी के एक न्यूरोइकोनॉमिक्स अध्ययन के अनुसार, संकट के समय मित्र हमारे लिए एक 'बाहरी पर्यवेक्षक' की भूमिका निभाते हैं। जब हमारा मस्तिष्क तनाव के कारण सही निर्णय नहीं ले पाता, तब सच्चे दोस्त हमें पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर सोचने में मदद करते हैं। उनकी सलाह से हमारी निर्णय प्रक्रिया सरल और सटीक हो जाती है, जो अंततः हमारी समृद्धि का प्रमुख कारण बनती है।

रचनात्मकता-नवाचार को बढ़ावा: मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के एक शोध के अनुसार, मित्रों के समूह में होने वाली ब्रेन स्टॉर्मिंग से मस्तिष्क में नए न्यूरोल पाथवे बनते हैं। दोस्तों के साथ बिना किसी डर

तकनीक हमें हमारी जीवनशैली को ही नहीं, दोस्त बनाने के तरीके को भी बदल दिया है। आज सोशल मीडिया के जरिए हम एक क्लिक पर दुनिया में किसी से भी दोस्ती कर सकते हैं। सबसे खूबसूरत इसानी रिश्तों में से एक दोस्ती को तकनीक कैसे नए ढंग से परिभाषित कर रही है, इस बारे में आप भी जानिए।

फ्रेंड रिक्वेस्ट ने बदल दी दोस्त बनाने की परिभाषा

न्यू टेंड शैलेंड सिंह

इस बात में संदेह नहीं कि सोशल मीडिया के अस्तित्व में आने के बाद दोस्ती करना आसान हो गया है। इसके पहले दुनिया में कहीं भी किसी से दोस्ती करना इतना आसान न था कि किसी को दो लाइन की एक लिखित रिक्वेस्ट भेजी और अगले 90 फीसदी से ज्यादा मौकों पर दोस्ती हो जाती है। ये है दोस्ती का नया तरीका यानी फ्रेंड रिक्वेस्ट। यह तरीका सोशल मीडिया के पहले दुनिया के पास नहीं था।

बन सकते हैं हजारों दोस्त: आज अपने देश में कम से कम 60 फीसदी ऐसे वयस्क हैं, जिनके सोशल

मोबाइल या कंप्यूटर हो, उसमें इंटरनेट का कनेक्शन हो। बस इतने भर से आप देश-विदेश में कहीं भी दोस्ती कर सकते हैं। दोस्ती की दुनिया में ये असाधारण परिवर्तन है, जो इंटरनेट और सोशल मीडिया के आने के पहले कभी नहीं हुआ था।

हर सीमा, सरहद से परे: दोस्ती हमेशा से इसानी रिश्तों की सबसे खूबसूरत कड़ी रही है। कभी ये स्कूल, कॉलेज, पड़ोस या कार्यस्थल तक सीमित रहती थी, लेकिन जब से संपर्क करने का सबसे तीव्र माध्यम इंटरनेट अस्तित्व में आया और फिर सोशल मीडिया जैसे आभासी प्लेटफॉर्म बने। उसके बाद से दोस्ती की परिभाषा, उसकी अवधारणा हमेशा-हमेशा के लिए बदल गई। अब दोस्ती का दायरा स्थानीय नहीं है बल्कि वैश्विक हो चुका है। इंस्टाग्राम, फेसबुक,



लिंकडइन, एक्स, डिस्कॉर्ड, रेडिट और अन्य सोशल मीडिया मंचों ने दुनिया भर के करोड़ों लोगों को दोस्ती के एक ऐसे साझा मंच से जोड़ा है, जिसकी पहले कल्पना भी नहीं कर सकते थे।

अपनी रुचि के लोगों से दोस्ती: सोशल मीडिया की सुविधा ने तरह-तरह के समूहों को जन्म दिया है। मान लीजिए, आप लेखक हैं और आपको दूसरे लेखकों के साथ बातचीत करना, उठना-बैठना अच्छा लगता है, तो चाहें तो आप देश-विदेश के हजारों लेखकों से ही अपनी दोस्ती बना लें और दिन-रात उनके साथ ही मस्त रहें। मतलब यह कि सोशल मीडिया ने दोस्ती को एक ऐसा उपभोक्ता उत्पाद बना दिया है, जिसे आप अपनी चाहत और सुविधा के हिसाब से किसी भी रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

हर वर्ग को हो रहा फायदा: इंटरनेट और सोशल मीडिया ने इस दूरस्थ दोस्ती में कुछ इस तरह का रंग भरा है कि आज युवा ही नहीं तमाम वरिष्ठ नागरिक भी इस ऑनलाइन दोस्ती का खूब आनंद ले रहे हैं। यह ऑनलाइन दोस्ती सिर्फ मनोरंजन या जिज्ञासा तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसने कारोबार की दुनिया में भी बड़ी जबर्दस्त भूमिका निभाई है। यानी ऑनलाइन दोस्ती हर वर्ग को फायदा पहुंचा रही है। *



गजल ओम निरघल

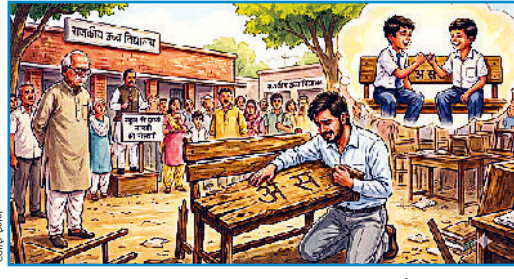
दोस्त के हंसते ही...

मुस्कुराने से अमलतास भी खिल उठता था दोस्त के हंसे ही आकाश भी खिल उठता था उसके आने से आ जाती थी घर में रौनक उसके ठेके से मधुमास भी खिल उठता था ऐसे मिलता था वो जगलों से हो रिश्ता जैसे पास बैठा हुआ उल्लास भी खिल उठता था उसकी यादों में मुकम्मल-सा जगह है अपना उसके ठेके का अरुसास भी खिल उठता था छेनी से उसकी तराशी थी कुछ ऐसी मूर्त उसकी जुबिश से नक्काश भी खिल उठता था साथ रखता था वो यूँ कांथे पे करीने से उसके छूने से विश्वास भी खिल उठता था

लघुकथाएं

एक लंबे समय बाद अरुण का गांव लौटना हुआ। गांव में बहुत कुछ बदल गया था। पगडंडियों ने सड़क का रूप धारण कर लिया था। उसका अपना स्कूल नए भवन में शिफ्ट हो चुका था, नए फर्नीचर से सजा नया विद्यालय भवन देख मन कुछ प्रसन्न था तो कहीं मन में अवसाद भी था। स्कूल का पुराना सामान नीलाम किया जा रहा था। भारी कदमों से अरुण भी इस नीलामी में जा पहुंचा। कबाड़ के ढेर में पड़ी एक टूटी-फूटी लकड़ी की बेंच देखकर अरुण ठिठक कर रुक गया। 'इसे भी बेचेंगे?' उसने प्रधानाचार्य से पूछा। 'हां, अब इसका कोई उपयोग नहीं।' अरुण ने उस बेंच पर बड़े प्यार से हाथ फेरा। उस पर परकार (कंपस) से उकेरे गए दो अक्षर अब भी सुस्पष्ट रूप से अंकित थे। 'अ' और 'स'। उसके चेहरे पर एकाएक कई भाव, कई रंग आए और चले गए। वह और समीर हमेशा इसी बेंच पर बैठ कर बैठते थे। अंगुठे के साथ पूरा हाथ घुमाते हुए दोनों ने एकदम पक्की दोस्ती का दम भरते हुए कहा था, 'चाहे जहां रहें, अपनी यह दोस्ती कभी नहीं टूटेगी।' समय के साथ, अपनी-अपनी नौकरी के चलते, दोनों दूर तो हुए पर उनकी दोस्ती का धागा पूरी मजबूती से बंधा रहा। अरुण बेंच पर बैठ गया और अपने पास की खाली जगह पर प्यार से हाथ फेरते हुए भरांप स्वर

पुरानी बेंच

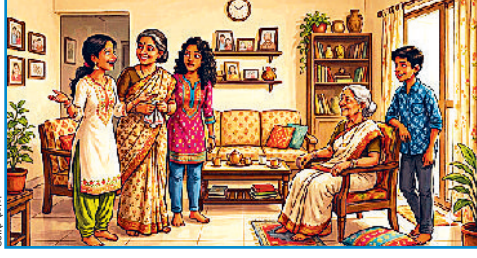


में बोला, 'समीर! तू चल न मेरे साथ, आज भी मैं अकेला नहीं बैठूंगा।' अरुण ने वह बेंच खरीद ली। लोग हैरानी से उसे देख रहे थे। बेंच को सीने से लगाते हुए वह बोला, 'समीर दोस्त था मेरा। युद्ध में दुश्मन से लोहा लेते हुए शहीद हो गया। पर हमारी दोस्ती आज भी इसी बेंच पर बैठी मेरा इंतजार कर रही है।' *

- डॉ. यशोधरा भटनागर

अपनों से दोस्ती

हंसती-खिलखिलाती उसकी फ्रेंड ठीक उसी अलहड़ अंदाज में अपने घर के भीतर दखिल हुई, जैसे कॉलेज कैम्पस, बाजार या सिनेमा हॉल में सहेलियों के साथ रहती है। अपनों के साथ भी खुलकर बातें, सीधे-सच्चे सवाल और खुशनुमा व्यवहार का खुलापन। मां, दादी और छोटे भाई से दिनभर की बातें और शिकायतें न कुछ पूछने में उलझन ना ही कुछ कहने में अटकाने। सब कुछ तरल-सा, बहता-सा, संबंधों में साथ-स्नेह के सही मायने समझाता-सा। उसके लिए यह हैरान-परेशान करने वाले दृश्य थे। वे दोनों बहनें तो घर के भीतर आते ही एक ठहरा ठिठका-सा रंग-ढंग ओढ़ लेती हैं। चाहे कहीं से भी लौटें घर के आंगन में पांव धरते ही कुछ अलग-सी ही हो जाती हैं। हर बात



बड़े-छोटे सदस्यों की दोस्ती देख यही सोचते हुए विदा हुई कि 'घर के बाहर दोस्तों के साथ खिलखिलाने, मन को कहने का परिवेश अगर घर में ही हो तो, यह दुनिया की सबसे प्यारी दोस्ती होगी।' उसने मन ही मन तय कर लिया कि अपने घर में भी मित्रता का माहौल बनाने की कोशिश करेगी। *

- डॉ. मोनिका शर्मा

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

संगीत के अनछुए सुर

प्रकार, लेखक और चित्रकार देव प्रकाश चौधरी की हालिया प्रकाशित किताब 'शब्द उठान सुर तिहाई' ऐसी संगीतमय किताब है, जिसके हर पन्ने पर सुर हैं, संगीत की राग-रागिनियां हैं। इन रागिनियों से निकले हैं संगीत साधकों के जीवन साधना से जुड़े अनेक किस्से। पुस्तक उस्ताद फैयाज खान की संगीत साधना के एक किस्से से शुरू होती है। एक बार जब फैयाज खान, ट्रेन के डिब्बे में बैठे सुरों की साधना में लीन होते हैं। अंग्रेज गार्ड खिड़की के बाहर खड़ा होकर सुरों के सागर में गोते लगाने लगता है। गाड़ी के चलने का वक्त निकलने लगता है और स्टेशन मास्टर



बैचैन हो उठता है, मगर गार्ड हरी झंडी नहीं दिखाता। वह कहता है, 'भीतर फरिश्ता गा रहा है।' यह पुस्तक भारतीय संगीत और नृत्य की समृद्ध परंपरा का जीवंत दस्तावेज है। इसमें पंडित बिरजू महाराज के नृत्य में समाहित अभिनय, कथा और संगीत का अद्भुत समन्वय है। बनारस के घाटों पर मंदिरों की गुंजती घंटियों के बीच बिरमिल्लाह खां की शहनई की सुर-लहरियां हैं। उस्ताद अमीर खां की रूहानी गायिकी की गहराई है, तो मेवाती घराने के दैदीप्यमान सितारे पंडित जसराज का वह प्रेरक प्रसंग भी है, जिसमें वे तबला वादन से गायन की ओर अप्रसर होते हैं। ये किस्से सुर और संगीत की जादुई शक्ति से हमारा परिचय कराते हैं। लेखक की संवेदना से भरी भाषा ने इसे और आत्मीय, और कलात्मक बना दिया है। *

पुस्तक: शब्द उठान सुर तिहाई, लेखक: देव प्रकाश चौधरी
मूल्य: 225 रुपए, प्रकाशक: सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

MushroomX मशरूम पाउडर

देश के कोने-कोने का भरोसा

2 करोड़+ खुश आदम

आपके सुदृढ़ी सभी मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध। Available at: www.mushroomworld.com Amazon Flipkart

वजन बढ़ाने में सहायक

मशरूम एवं 12+ जड़ी-बूटियाँ

10 दिनों में असर देखें

क्योंकि वजन है, तो वजनदारी है!

Mushroom World Ayurved & Food Pvt. Ltd. For Trade Enquiry - +91 888 922 3333



धार्मिक स्थल

शिखर चंद जैन

महादेव के प्रमुख गण नंदी देव की भव्य-अनूठी प्रतिमाएं

शिव आराधना का विशेष पावन माह सावन आरंभ हो चुका है। इस दौरान भक्तगण विशेष तौर पर भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हैं। शिव के साथ उनके प्रिय गण नंदी महाराज भी पूजे जाते हैं। देश के कई मंदिर ऐसे हैं, जो भव्य नंदी प्रतिमाओं के लिए विशेष रूप से जाने जाते हैं। अलग-अलग स्थानों पर स्थित ऐसे ही कुछ मंदिरों के बारे में बता रहे हैं आपको, जहां नंदी महाराज अपने भव्य स्वरूप में विराजमान हैं।

काले ग्रेनाइट से बनी विशाल प्रतिमा चामुंडी पहाड़ी का नंदी मंदिर, मैसूर

कर्नाटक के मैसूर में चामुंडी पहाड़ियों में स्थित प्रसिद्ध चामुंडेश्वरी मंदिर की चढ़ाई के रास्ते में लगभग 700वीं सीढ़ी पर स्थित यह नंदी प्रतिमा भक्तों के आकर्षण का मुख्य केंद्र है। इस भव्य प्रतिमा का निर्माण वर्ष 1659 में मैसूर के महाराजा डोड्डा देवराजा वोडेयार के शासनकाल में हुआ था। 16 फीट ऊंची और 24 फीट लंबी यह प्रतिमा पूरी तरह से काले ग्रेनाइट पत्थर से बनी है। नंदी के गले में लटकती हुई सुंदर घंटियों की श्रृंखला पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। इस मंदिर में सुबह 6:00 बजे से रात 9:00 बजे तक दर्शन सुलभ हैं। *

दुनिया की सबसे बड़ी नंदी प्रतिमा महानंदीश्वर स्वामी मंदिर, कर्नूल

आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले में स्थित महानंदी मंदिर, वास्तुकला का शिखर माना जाता है। चारों ओर नौ नंदी मंदिरों (नवमंदुलु) से घिरे इस क्षेत्र का मुख्य आकर्षण, यहां स्थापित विशाल नंदी देव हैं। इसे दुनिया की सबसे विशाल नंदी प्रतिमा माना जाता है, जो एक ही पत्थर से तराशी गई है। मंदिर के गर्भगृह के ठीक नीचे एक प्राकृतिक औषधीय जल स्रोत कल्याणी है, जहां पूरे साल लगातार पानी बहता रहता है। इस पानी का स्रोत आज तक एक रहस्य है। यहां सुबह 4:45 से रात 8:30 बजे तक दर्शन किए जा सकते हैं। *

यूनेस्को विश्व धरोहर में शामिल बृहदेश्वर मंदिर नंदी, तंजावुर

चोल राजवंश के राजा राजराजा चोल प्रथम द्वारा निर्मित, तमिलनाडु में स्थित यह मंदिर यूनेस्को विश्व धरोहर का हिस्सा है। यहां मंदिर के ठीक सामने मंडप में एक विशालकाय नंदी स्थापित है। यह प्रतिमा लगभग 12 फीट ऊंची, 19.5 फीट लंबी और इसका वजन करीब 25 टन है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, इस नंदी प्रतिमा का आकार लगातार बढ़ रहा था। इसे रोकने के लिए प्राचीन शिल्पकारों ने नंदी की पीठ पर एक विशेष कील लगा दी। यहां सुबह 6:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक और शाम 4:00 बजे से रात 8:30 बजे तक दर्शन कर सकते हैं। *

रेत और चूने से बने भव्य नंदी देव रामनाथस्वामी मंदिर, रामेश्वरम

भारत के चार पवित्र धामों में से एक, रामेश्वरम (तमिलनाडु) के मुख्य गर्भगृह के प्रवेश द्वार पर एक अत्यंत विशाल नंदी महाराज की प्रतिमा विराजमान है। यह नंदी प्रतिमा साधारण पत्थर से नहीं, बल्कि चूने और रेत के विशेष मिश्रण से बनाई गई है। यह प्रतिमा करीब 17.5 फीट ऊंची और 22 फीट लंबी है। मान्यता है कि यहां नंदी देव के दर्शन से मनुष्य के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। मंदिर के विशाल और विश्व प्रसिद्ध गलियारे के मुहाने पर बैठे नंदी महाराज की छवि बेहद अलौकिक और शांत प्रतीत होती है। यहां दर्शन का समय सुबह 5:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक और शाम 3:00 बजे से रात 9:00 बजे तक है। *



शिल्प कला का अद्भुत चमत्कार लेपाक्षी नंदी (वीरभद्र मंदिर), अनंतपुर

आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में स्थित ऐतिहासिक लेपाक्षी मंदिर से लगभग 200 मीटर की दूरी पर यह अत्यंत सुंदर और विशाल नंदी प्रतिमा स्थित है। ग्रेनाइट की एक ही चट्टान से बनी यह प्रतिमा 15 फीट ऊंची और 27 फीट लंबी है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसके गले में उकेरी गई बारीक घंटियां, मालाएं और आभूषण हैं, जो विजयनगर साम्राज्य की उत्कृष्ट शिल्पकला को दर्शाते हैं। माना जाता है कि रामायण काल में जब रावण, माता सीता का हरण कर ले जा रहा था, तब जटायु से उसका युद्ध इसी स्थान पर हुआ था। यहां सुबह 6:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक दर्शन किए जा सकते हैं। *

रेत और चूने से बने भव्य नंदी देव रामनाथस्वामी मंदिर, रामेश्वरम

भारत के चार पवित्र धामों में से एक, रामेश्वरम (तमिलनाडु) के मुख्य गर्भगृह के प्रवेश द्वार पर एक अत्यंत विशाल नंदी महाराज की प्रतिमा विराजमान है। यह नंदी प्रतिमा साधारण पत्थर से नहीं, बल्कि चूने और रेत के विशेष मिश्रण से बनाई गई है। यह प्रतिमा करीब 17.5 फीट ऊंची और 22 फीट लंबी है। मान्यता है कि यहां नंदी देव के दर्शन से मनुष्य के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। मंदिर के विशाल और विश्व प्रसिद्ध गलियारे के मुहाने पर बैठे नंदी महाराज की छवि बेहद अलौकिक और शांत प्रतीत होती है। यहां दर्शन का समय सुबह 5:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक और शाम 3:00 बजे से रात 9:00 बजे तक है। *

वन संपदा / वीणा गौतम

भारत के पूर्वी तट पर फैला सुंदरवन, केवल दुनिया का सबसे बड़ा मैंग्रोव वन ही नहीं बल्कि एक ऐसा सांस्कृतिक स्थल भी है, जहां मनुष्य और प्रकृति का अनोखा संतुलन दिखाई देता है। गंगा-ब्रह्मपुत्र नदियों के डेल्टा की यह धरती, जितनी हरी-भरी और उपजाऊ है, उतनी ही रहस्यमयी भी है। प्रवेश से पूर्व वनदेवी की पूजा: सुंदरवन की सबसे अनोखी पहचान है इसकी लोकआस्था, जो इतनी रहस्यमयी और गहरी है कि इसकी कोई अनदेखी नहीं करता। यहां के लोग जब भी जंगल में प्रवेश करते हैं, तो सबसे पहले जंगल की देवी 'बोनबिबी' की पूजा करते हैं। माना जाता है कि सुंदरवन में जाने वाले लोगों की अमानवीय शक्तियों से बोनबिबी ही रक्षा करती हैं। बोनबिबी के साथ ही यहां दक्षिण राय देवता की भी पूजा होती है, जिन्हें बाघों का कुलदेवता माना जाता है। कहते हैं, कई बार बाघों के ये कुलदेवता दक्षिण राय खुद भी बाघ बनकर वन में घूमते हैं, ताकि वन के अंदर प्रवेश करने वाले मनुष्यों की परीक्षा ले सकें। वास्तव में सुंदरवन में प्रकृति का सम्मान

ख़ास मुलाकात / आरती सक्सेना

अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत दिशा पटानी ने तेलुगु फिल्म 'लोफर' से 2015 में की थी। उसके बाद स्पोर्ट्स बायोपिक 'एम. एस. धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी', एक चीनी एक्शन कॉमेडी फिल्म 'कुंग फू योगा' में भी अहम भूमिका निभाई थी। इन फिल्मों के अलावा दिशा 'बागी-2', 'भारत', 'कलिक-2898' जैसी कुछ फिल्मों में मुख्य भूमिका में नजर आईं। हाल ही में अहमद खान निर्देशित फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में दिशा, अक्षय कुमार के साथ मुख्य भूमिका में नजर आईं। अब अपनी अपकमिंग फिल्म 'आवारापन-2' में वह इमरान हाशमी के साथ अलग अंदाज में नजर आएंगी। इस फिल्म के अलावा दिशा पटानी एक हॉलीवुड फिल्म भी कर रही हैं, जिसका नाम है 'हॉली गाइर्स सांगा: द पोर्टल ऑफ फोर्स'। दिशा पटानी अपने अब तक के करियर को लेकर क्या सोचती हैं? 'वेलकम टू द जंगल' में

अगर मन साफ और नीयत ईमानदार हो तो प्रतिद्वंद्वी या विरोधी को भी दोस्त बनने में देर नहीं लगती। दुनिया की कुछ प्रसिद्ध हस्तियों की अपने विरोधी से हुई दोस्ती इस बात की मिसाल पेश करती है। इनके बारे में जानना बहुत दिलचस्प है।

जिनसे थे कभी मतभेद उनसे भी हो गई दोस्ती

मिसाल

अंजू जैन

वक्त की खूबी यह है कि वह कई बार रिश्तों की परिभाषा बदल देता है। इतिहास गवाह है कि कभी एक-दूसरे के कट्टर विरोधी रहे कई दिग्गज बाद में ऐसी दोस्ती के प्रतीक बने, जिसने दुनिया को क्षमा, सम्मान और इंसानियत का नया संदेश दिया। मित्रता दिवस के मौके पर दुनिया की कुछ ऐसे उदाहरण याद करना दिलचस्प होगा जब किसी समय तक परस्पर विरोधी रहे, गहरे दोस्त बन गए।

महात्मा गांधी-जनरल जॉन स्मट्स: महात्मा गांधी और दक्षिण अफ्रीका के जनरल जॉन क्रिश्चियन स्मट्स के बीच का रिश्ता राजनीतिक विरोध और गहरी व्यक्तिगत मित्रता का एक अनूठा उदाहरण है। दक्षिण अफ्रीका में दोनों एक-दूसरे के धुर विरोधी थे, लेकिन बाद में दोनों के मन में एक-दूसरे के प्रति गहरा सम्मान पैदा हो गया। 1906-1914 के दौरान दक्षिण अफ्रीका में

स्टीव जॉब्स-बिल गेट्स: स्टीव जॉब्स (एप्पल के फाउंडर) और बिल गेट्स (माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर) के बीच का रिश्ता प्रतिस्पर्धा, कड़वाहट और अंततः गहरी दोस्ती का एक बेहतरीन मिश्रण था। 1980 और 1990 के दशक में उनकी व्यावसायिक प्रतिद्वंद्विता इतनी गहरी थी कि स्टीव जॉब्स, माइक्रोसॉफ्ट पर अकसर विचार चुराने के आरोप लगाते थे, जबकि बिल गेट्स एप्पल के उत्पादों को नापसंद करते थे। 1997 में जब एप्पल दिवालिया होने की कगार पर था,

स्टीव जॉब्स और बिल गेट्स

तब स्टीव जॉब्स ने वापस कंपनी की कमान संभाली। उस मुश्किल समय में बिल गेट्स की कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने एप्पल में 150 मिलियन डॉलर का निवेश करके कंपनी को बंद होने से बचाया था। इस कदम ने दोनों के रिश्ते की दिशा बदल दी। इसके बाद दोनों एक-दूसरे के काम की तारीफ करने लगे। यह दोस्ती स्टीव जॉब्स के निधन तक कायम रही। *

लिफ सुंदरवन एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच की तरह है। हर साल आने वाले भीषण तूफानों और चक्रवातों से पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के हजारों लोगों की जान बचाता है तथा करोड़ों-अरबों के आर्थिक नुकसान को भी रोकता है। यहां के मैंग्रोव वन वातावरण से भारी मात्रा में कार्बन डाई-ऑक्साइड सोखते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन की गति धीमी हो जाती है। यह वन जैवविविधता का भी केंद्र है। यहां रॉयल बंगाल टाइगर, खारे पानी के मगरमच्छ, दुर्लभ पक्षी, डॉल्फिन और सैकड़ों अन्य जीव प्रजातियां पाई जाती हैं। गंगा-ब्रह्मपुत्र और मेघना नदियां मिलकर यहां एक विशाल डेल्टा बनाती हैं, जिससे यह क्षेत्र जलप्रवाह, मिट्टी और समुद्री पारिस्थितिकी को संतुलित करता है।

संरक्षण है जरूरी: समुद्र का बढ़ता जलस्तर, तटीय कटाव, चक्रवातों की बढ़ती तीव्रता और मानव अतिक्रमण के कारण सुंदरवन अब कमजोर हो रहा है। इस कमजोरी का असर केवल

इसके अलावा मुझे डायेक्टर अहमद खान पर विश्वास था कि वह कलाकारों की मेहनत को बर्बाद नहीं होने देंगे। काफी हद तक मेरी सोच सही रही और फिल्म ने सफलता हासिल की। लोगों को फिल्म में मेरा काम भी पसंद आया। 'वेलकम टू द जंगल' में आपने पहली बार कॉमेडी की। कॉमेडी करना, वो भी दिग्गज कलाकारों के साथ किना आसान या मुश्किल रहा? अपने अब तक के करियर में पहली बार इस फिल्म में कॉमेडी करना मेरे लिए सबसे मुश्किल रहा। मैंने अक्षय सर, जानी लीवर सर, अरशद वारसी सर के साथ एक्टिंग करते वक्त कॉमेडी सीखी। इन सभी की कॉमेडी के दौरान टाईमिंग बहुत अच्छी है। बस मैं वहीं देख-देख कर कॉमेडी करने की कोशिश कर रही थी। इसके लिए मैं इन सभी को धन्यवाद देना चाहूंगी कि उनकी वजह से मैं कॉमेडी कर पाई। अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी जैसे सीनियर एक्टरों के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? सेट पर पिकनिक जैसा माहौल रहता था, कोई भी अपने आप को सीनियर दिखाने की कोशिश नहीं करता था। सुनील शेट्टी बहुत ही सीधे ईंसान हैं। दूसरी तरफ अक्षय कुमार उतने ही मस्तीखोर हैं। वह सबके साथ ना सिर्फ मस्ती करते रहते थे, बल्कि कोई ना कोई उनके प्रैंक का शिकार भी होता रहता था। 'वेलकम टू द जंगल' की शूटिंग जानी लीवर, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, फरीदा जलाल, रवीना टंडन जैसे बेहतरीन कलाकार थे, उनके साथ काम करने का मौका मिल रहा था, यही मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी।



आपकी एक और फिल्म 'आवारापन-2' 14 अगस्त को रिलीज हो रही है। इस फिल्म को लेकर आप कितनी एक्साइटेड हैं? मैं 'आवारापन-2' को लेकर सुपर एक्साइटेट हूं। इस फिल्म में मैं अलग अंदाज में नजर आने वाली हूं। ज्यादातर फिल्मों में मैंने ग्लैमरस रोल किए हैं। लेकिन 'आवारापन-2' में मेरा रोल अलग तरह का है, जैसा पहले नहीं निभाया। 'आवारापन-2' में आपको ऐसा क्या खास लगा, जो आपने इस फिल्म को करना एक्सेप्ट किया? इस फिल्म में मेरा किदार सिर्फ ग्लैमर तक सीमित नहीं है, बल्कि फिल्म में कई सींस इमोशनल और हार्ट-टचिंग भी हैं। फिल्म की कहानी दिल को छूने वाली है, लिहाजा जब मैंने फिल्म की स्क्रिप्ट सुनी तो मैंने तुरंत इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी। 'आवारापन-2' में इमरान हाशमी के साथ आपकी रोमांटिक जोड़ी है। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? इमरान हाशमी रोमांटिक रोल के लिए जाने जाते हैं, इस फिल्म में हमारी जोड़ी नए अंदाज में नजर आएगी। फिल्म में मुझे लीजेंड शबाना आज़मी की के साथ भी काम करने का मौका मिला, जिसकी मुझे बेहद खुशी है। हिंदी फिल्मों के अलावा आप एक हॉलीवुड फिल्म भी कर रही हैं? हां, मैं 'हॉलीवुड फिल्म 'हॉली गाइर्स सांगा: द पोर्टल ऑफ फोर्स' से इंटरनेशनल डेब्यू कर रही हूं। यह एक सुपर नेचुरल एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन ऑस्कर विजेता केविन स्पेसी कर रहे हैं। *